

संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा द्वारा उन्नत पशुपालन पशु स्वास्थ्य एवं दुग्ध उत्पादन की नवीनतम तकनीक विषय पर 14.02.2019 से 15.02.2019 तक दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण प्रारंभ

संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा भा० कृ० अ० प० भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा उन्नत पशुपालन पशु स्वास्थ्य एवं दुग्ध उत्पादन की नवीनतम तकनीक विषय पर जन कल्याण संस्था मेरठ ए उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित 30 कृषकों लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का प्रारंभ आज दिनांक 14.02.2019 को हुआ। प्रशिक्षण मुख्यतः पशुओं में दुग्ध उत्पादन के महत्व तथा इनका शारीरिक स्वास्थ्य एवं उत्पादन क्षमता पर प्रभाव जैसे अनेकों विषयों पर व्याख्यान तथा संतुलित आहार एवं पशु प्रबन्धन में कौशल विकास पर केन्द्रित होगा। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु किसानों में दुग्धरू पशु प्रबन्धन हेतु ज्ञानार्जन करने तथा इससे आय अर्जित करने के लिए सम्पूर्ण कौशल का विकास करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ डा० बी० पी० सिंह ए प्रधान वैज्ञानिक प्रसार शिक्षा द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में डा० बी० पी० सिंह प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने किसानों को समेकित खेती दुग्धरू पशु प्रबन्धन में रुचि लेने एवं इस कार्यक्रम में सहभागिता की प्रशंसा की तथा पशुपालन क्षेत्र में उनके कौशल विकास हेतु काम करने के लिए कार्यक्रम की प्रायोजक संस्था जन कल्याण संस्था मेरठ का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि हमारा संस्थान भी पशुपालकों एवं कृषकों के मध्य पशुपालन सम्बन्धी जानकारी एवं कौशल विकास हेतु सतत् रूप से कार्यरत है। संस्थान वर्ष भर इस प्रकार के कई प्रशिक्षण तथा अन्य प्रसार गतिविधियों को आयोजित करता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अनुरोध किया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में वे मन लगाकर भाग लें। तथा दुग्धरू पशु प्रबन्धन उत्तम पशुपालन में वे अच्छा कौशल विकास कर अपनी इकाई की स्थापना करें। इस अवसर पर डा० रूपसी तिवारी प्रधान वैज्ञानिक ए प्रभारी एटिक ने अपने संबोधन में बताया कि पुरुषों के साथ महिलाओं को भी पशुपालन एवं खेतीबाड़ी से सम्बन्धित प्रशिक्षण करवाया जाये ताकि महिलायें भी आत्मनिर्भर तथा सशक्त बन सकें। इस प्रशिक्षण में कुल 30 कृषकों एवं युवाओं ने सहभागिता दर्ज की।



